Bronchoscopy Brochure in Hindi

ब्रोशर

'ब्रोंकोस्कोपी'

प्रश्न: मुझे ब्रोंकोस्कोपी की जरूरत क्यों है ?

ब्रोंकोस्कोपी आपकी श्वॉस–नली और फेफड़ों की जॉच करने का एक परीक्षण है। इस प्रक्रिया में एक छोटी नली आपके नाक या मुँह द्वारा आपके फेफड़ों में डाली जाती है। यह परीक्षण फेफड़ों की बीमारी की जॉच करने या बाहरी तत्व हटाने के लिए किया जाता है। इसमें ऊतक(Tissue)का एक छोटा टुकड़ा निकालकर उसका प्रयोगशाला में अध्ययन किया जाता है। इसे बायोप्सी कहते हैं।

ब्रोंकोस्कोपी के द्वारा डॉक्टर आपकी श्वॉसनली के अन्दर निम्नलिखि जॉच करते हैं :

- श्वॉसनली की असामान्यताओं को देखने के लिए।
- असामान्य क्षेत्र से नमूने प्राप्त करने के लिए।
- फेफडों के विभिन्न ऊतक(Tissue)नमूने प्राप्त करने के लिए।
- उस व्यक्ति की जॉच के लिए जिसे खॉसी के दौरान खून आना, पुरानी खॉसी या क्षतिग्रस्त फेफडों की समस्या हो।
- श्वॉसनली में फॅसे हुए बाहरी तत्व जैसे खाना, लोंग, दॉत, बीज, पैसा आदि को हटाने के लिए।
- सिकुड़ी हुई श्वॉसनली को खोलने के लिए।

प्रश्न: प्रक्रिया(Procedure)के लिए तैयार(Prepare)कैसे हों ?

- आपको परिवार के किसी वयस्क सदस्य या मित्र को अपने साथ लाने की आवश्यकता होगी जो कि जॉच के बाद आपको घर ले जाए। आपके लिए वाहन चलाना या आपको अकेला छोड़ना सुरक्षित नहीं है।
- अपनी जॉच के लिए समय पर पहुँचे। इस जॉच की योजना में लगभग 45 मिनिट लग जाते हैं। आपको सुबह 9:00बजे तक पल्मोनरी वार्ड में आना है।
- जिस दिन ब्रोंकोस्कोपी होना है उस दिन न कुछ खाऍ, न पिऍ और पानी भी न ले। जॉच से पहले–कम से कम छः घण्टे तक बिना कुछ खाए–पिए रहना जरूरी है।
- मरीज यदि महिला है तो उसकी नाक की लौंग निकालना जरूरी है।
- जॉच से पहले लिखित में मरीज की सहमति जरूरी है।

प्रश्नः ब्रोंकोस्कोपी कैसे होती है ?

- प्रकिया के लिए तैयार किए गए एक विशेष जॉच कक्ष में ही ब्रोंकोस्कॉपी होती है।
- आप जॉच के दौरान मेज पर लेटेंगें।
- प्रकिया से पहले अकस्मिक उपयोग(Emergency use)के लिए आपके हाथ की नस में आईवी सुई 'अंतःशिरा'(Intravenous line)लगाई जाती है ।
- प्रकिया के दौरान आपके ऑक्सीजन स्तर और हृदय–गति की जॉच करने के लिए आपकी अंगुली में एक क्लिप लगाया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त ऑक्सीजन भी दी जाती है।
- प्रकिया से पहले दवा(Local Anesthetic)के द्वारा आपके गले को सुन्न किया जाएगा। यह दवाई स्वाद में आपको कड़वी लगेगी और आपको गला बन्द(Chocking Sensation)महसूस होगा।
- सामान्यतः लेटे हुए स्थिति में ब्रोंकोस्कोप(Flexible Bronchoscope)नली को नाक या मुख के द्वारा डाला जाता है। आप नली को अपने गले में महसूस कर सकते हैं या आपको खॉसी आ सकती है। लेकिन प्रकिया के दौरान(during procedure)आप निगल सकेंगे और सॉस ले सकेंगे ।
- जब श्वॉस नली के द्वारा ब्रोंकोस्कोपी की जाएगी तब आपको उल्टी या थोड़ी असुविधा महसूस हो सकती है। यह एक अस्थाई प्रकिया है। खॉसी में आराम देने के लिए आपको प्रकिया के दौरान दवाई दी जाती है।
- जॉच के दौरान आपको बात नहीं करना है। यदि बातचीत की जाती है तो जॉच के बाद बोलने में तकलीफ़ हो सकती है।
- सामान्य तौर पर पूरी जॉच एक्स–रे के मार्गदर्शन(Fluoroscopy)के अनुसार की जाती है।
- एक बार ब्रोंकोस्कोप' आपके श्वॉस नली में डाले जाने के बाद, डॉक्टर आपके ध्वनि यंत्र(Vocal Cord)की जॉच करते हैं। डॉक्टर लगातार उपकरण से श्वॉसनली और फेफड़े के हर एक क्षेत्र की जॉच करते हैं। अगर कोई असामान्यता देखी जाती है तो ब्रश, सूई या बाओप्सी फोरसेप की मदद से पर्याप्त नमूने लिए जाते हैं।

प्रश्नः प्रकिया के बाद क्या होगा ?

- चूंकि प्रकिया के दौरान लोकल एनेस्थेटिक उपयोग किए जाते हैं इसलिए प्रकिया के बाद एसपीरेशन(भोजन आदि का श्वॉस नली में चले जाना)की अधिक सम्भावना होती है। इसलिए आपको प्रकिया के बाद 3 घंटे तक कोई ठोस या द्रव्य पदार्थ नहीं लेना चाहिए और 3 घंटे बाद पहला भोजन न ज्यादा गर्म और न ज्यादा ठण्डा लेना चाहिए।
- वैसे तो मरीज को ब्रोंकोस्कोपी होने के बाद ज्यादा परेशानी नहीं होती लेकिन डॉक्टर का कहना है कि कुछ समय के लिए(2 घटे)परीक्षण में रहना चाहिए। अधिकतर

समस्याएँ प्रक्रिया के दौरान या कुछ देर बाद आ सकती हैं।

- कभी–कभी किसी मरीज को ब्रोंकोस्कोपी वाले दिन शाम के समय हल्का बुखार आ सकता है जो गोली(Paracetamol)लेने पर उतर जाता है।
- अगर बायोप्सी ली जाती है तो प्रक्रिया के बाद बलगम के साथ कम मात्रा में खून आ सकता है।
- आपके नाक या गले में दर्द हो सकता है, आपकी आवाज भर्राई सी हो सकती है या आपको खाँसी हो सकती है ।
- प्रक्रिया के बाद अगर आवश्यकता पड़ी तो अतिरिक्त ऑक्सीजन या नेबुलाइजेशन(Nebulization)किया जा सकता है।
- भोजन पर कोई रोक नहीं है लेकिन लगभग 2 घंटे बाद सुन्न करने वाली दवाई का असर समाप्त हो जाता है और उसके बाद आप खा–पी सकते हैं।
- प्रक्रिया के बाद हाथ की नस पर लगी सुई हटा दी जाती है।

प्रश्नः प्रक्रिया के बाद मरीज को क्या समस्याएँ हो सकती हैं?

- फाईबरओप्टिक ब्रोंकोस्कोपी से समस्याएँ कम होती हैं।
- सामान्य समस्याएँ जैसेः–
  कम ब्लड ऑक्सीजन, असामान्य हृदय गति या ब्लड प्रेशर(रक्त–संचार)की समस्या हो सकती है।
- फेफड़ों के बाहर हवा का चले जाना(Pneumothorax). बायोप्सी प्रक्रिया के दौरान इसकी सम्भावना 1% से भी कम होती है।

This is a scanned document, available to us courtesy of Dr Sajal De.

We are trying to work on the quality of this document; very soon a better version of the same will be made available for our website users.